



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 251 ]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 13, 2001/भाद्र 22, 1923

No. 251]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 13, 2001/BHADRA 22, 1923

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2001

**विषय :** यूरोपीय संघ ब्राजील, जापान, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर और थाईलैंड से पोलि-आइसो-बुटीलिन के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करना।

सं. 47/1/2001-डीजीएडी.—मै. कोठारी शुगर्स एंड कैमिकल्स लि., कोठारी बिल्डिंग, बाक्स नं. 3329, नं. 115, महाराष्ट्र गांधी सलाई, चैन्स-600034 ने 1995 में यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमा शुल्क टैरिफ (पार्टित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष याचिका दायर की है जिसमें यूरोपीय संघ ब्राजील, जापान, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर और थाईलैंड से पोलि-आइसो-बुटीलिन के पाटन का आरोप लगाया गया है और पाटनरोधी जांच शुरू करने तथा पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

## 1. शामिल उत्पाद

वर्तमान याचिका में शामिल उत्पाद यूरोपीय संघ, ब्राजील, जापान, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर तथा थाईलैंड (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश कहा जाएगा) मूल का अथवा वहां से निर्यातित पी आई बी या पोलि आइसो-बुटीलिन (इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा जाएगा) है। पोलि आइसों

बुटीलिन सी 4 आलिफिन्स स्ट्रीम, जिसमें मुख्य रूप से आइसो बुटीन शामिल है, के पोलिमराइजेशन द्वारा विनिर्मित सिथैटिक हाइड्रोकार्बन पोलिमर है। पोलि आइसो बुटीलिन का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों जैसे ल्यूब ऑयल एडीटिब्स, केबल फिर्लिंग कंपाउंड्स, रबड मोडिफायर्स, लैदर कैमिकल्स, 2 टी ऑयल फोरमूलेशन, ऑयल इंसूलेटर्स एडहेसिब्स आदि में किया जाता है। मौजूदा जांच में पोलि-आइसो बुटीलिन की सभी किस्में शामिल हैं।

पोलि-आइसो-बुटीलिन को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 39 के सीमाशुल्क उप शीर्ष सं. 3902.20 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी तरह से वर्तमान जांच के मामले में बाध्यकर नहीं है।

## 2. घरेलू उद्योग की स्थिति

यह याचिका मै. कोठारी शुगर्स एंड कैमिकल्स लि. द्वारा दायर की गई है। भारत में पोलि-आइसो-बुटीलिन के ज्ञात घरेलू विनिर्माता 4 हैं।

याचिकाकर्ता कंपनी संबद्ध वस्तु के उत्पादन का 25% से भी अधिक का प्रतिनिधित्व करती है। अतः याचिका दायर करने की स्थिति में है।

## 3. संबंधित देश

मौजूदा जांच में शामिल देश यूरोपीय संघ (ई.यू.), ब्राजील, जापान, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर और थाइलैंड हैं।

## 4. समान वस्तुएं

याचिकाकर्ता का कहना है कि उसके द्वारा उत्पादित माल संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित माल के समान वस्तु है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं को नियमावली के अर्थों के भीतर संबद्ध देशों से आयातित वस्तु से माना जा रहा है।

## 5. सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता ने संबद्ध देशों के मामले में पोलि-आइसो बुटीलिन के परिकलित सामान्य मूल्य के आधार पर तथा बैलजियम में आयातों के आधार पर भी सामान्य मूल्य का दावा किया है।

## 6. निर्यात कीमत

याचिकाकर्ता ने डी जी सी आई एंड एस, कलकत्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना तथा मैसर्स इंडियन ऑयल कारपोरेशन द्वारा अप्रैल, 2001 को दी गई तथा जुलाई 2001 को खोली गई निविदाओं के आधार पर अप्रैल, 2000 से जुलाई, 2001 तक की अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत का दावा किया है। कारखाना द्वार पर कीमतों के परिकलन के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्राज्यीय परिवहन तथा कलीयरिंग एवं फारवर्डिंग प्रभारों के कारण समायोजनों का दावा किया है।

## 7. पाटन मार्जिन

इस बात के प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य हैं कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य उस कीमत से काफी अधिक है जिस कीमत पर भारत को इनका निर्यात किया गया है। जिससे प्रथम दृष्टया संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

## 8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

क्षति से संबंधित विभिन्न मापदंड जैसे कि निर्यात कीमत में कमी, बिक्री प्राप्ति में गिरावट, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कमी तथा संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से सही तथा उचित कीमतें वसूल

करने में घरेलू उद्योग की असफलता सामूहिक एवं संचयी रूप से प्रथम दृष्टया यह संकेत देते हैं कि घरेलू उद्योग को पाठन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

#### **9. पाठनरोधी जांच की शुरूआत**

उपरोक्त पैराग्राफों को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आरोपित पाठन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाठनरोधी जांच आरंभ करते हैं।

#### **10. जांच की अवधि**

वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2000 से 31 अगस्त, 2001 (17 महीने) तक की है।

#### **11. सूचना प्रस्तुत करना:**

संबद्ध देशों में निर्यातकों और भारत में ज्ञात आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है कि वे अपने विचार तथा संबंधित सूचना निर्धारित प्रपत्र में तथा निर्धारित ढंग से श्री एल0वी0 सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी तथा अपर सचिव, भारत सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्य कोई हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गई समयावधि के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से जांच से संबंधित अनुरोध कर सकती।

#### **12. समय सीमा:**

वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर पहुंच

जानी चाहिए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना देनी होगी।

### **13. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण**

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्षों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

14. यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं करती है अथवा महत्वपूर्ण ढंग से जांच में बाधा डालती है अथवा सूचना किसी भी रूप में अधूरी होती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

एल. थी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

### **MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

**(Department of Commerce)**

### **INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 12th September, 2001

**Subject : Initiation of Anti-Dumping investigation concerning import of Poly-Iso-Butylene from European Union Brazil, Japan, Korea RP, Singapore and Thailand.**

No. 47/1/2001-DGAD.—M/s. Kothari Sugars and Chemicals Ltd., ‘Kothari Buildings’, Box No.3329, 115 Mahatma Gandhi Salai, Chennai-600 034 has filed a petition in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) alleging dumping of Poly-Iso-Butylene from European Union, Brazil, Japan, Korea RP, Singapore and Thailand and requested for Anti Dumping investigations and levy of anti dumping duties.

**1. PRODUCT INVOLVED:**

The product involved in the present petition is Poly-Iso-Butylene also known as PIB or Poly-Iso-Butene (also referred as subject goods hereinafter) originating in or exported from European Union, Brazil, Japan, Korea RP, Singapore and Thailand (hereinafter also referred as subject countries) Poly-Iso-Butylene is a Synthetic Hydrocarbon Polymer manufactured by polymerisation of C4 Olefins stream consisting mainly Isobutene. Poly-Iso-Butylene finds application in various fields like Lube Oil additives, Cable Filling Compounds, Rubber Modifiers, Leather Chemicals, 2T Oil Formulations, Oil Insulators Adhesives etc. Present investigation covers all forms of Poly-Iso-Butylene.

Poly-Iso-Butylene is classified under Customs sub heading No. 3902.20 under Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975.

The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

**2. DOMESTIC INDUSTRY STANDING:**

The petition has been filed by M/s. Kothari Sugars and Chemicals Ltd.,. There are 4 known Domestic Manufacturers of Poly-Iso-Butylene in India.

The petitioner company represents more than 25% of the production of subject goods and have the standing to file the petition.

**3. COUNTRY(IES) INVOLVED:**

The countries involved in the present investigation are European Union (EU), Brazil, Japan, Korea RP, Singapore and Thailand.

**4. LIKE ARTICLES:**

The petitioner has claimed that goods produced by them are like articles to the goods produced, originating in or exported from the subject countries. Goods produced by the petitioner are being treated as like articles to the goods imported from the subject countries within the meaning of the Rules.

**5. NORMAL VALUE:**

The petitioner has claimed Normal Value based on the constructed Normal Value of Poly-Iso-Butylene in case of subject countries and also based on imports in Belgium.

**6. EXPORT PRICE:**

The petitioner has claimed the Export Price of subject goods for the period April, 2000 to July, 2001, based on information furnished by DGCI&S, Calcutta and tenders floated by M/s. Indian Oil Corporation in April, 2001 and opened in July, 2001. Adjustments have been claimed on account of Ocean Freight, Marine Insurance, Commission, Inland Transportation and Clearing and Forwarding Charges to arrive at the Ex-factory prices.

**7. DUMPING MARGIN:**

There is sufficient *prima-facie* evidence that Normal Value of subject goods in the subject countries is significantly higher than the price at which it has been exported to India indicating *prima-facie* that subject goods are being dumped by exporters from subject countries.

**8. INJURY AND CAUSAL LINK:**

Various parameters relating to injury such as the decline in export price, decline in the sales realization, decline in profitability of Domestic Industry and failure of Domestic Industry to realise fair and reasonable price from sale of subject goods, *prima-facie* indicate collectively and cumulatively that Domestic Industry has suffered material injury on account of dumping.

**9. INITIATION OF ANTI-DUMPING INVESTIGATION:**

The Designated Authority, in view of the foregoing paragraph, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

**10. PERIOD OF INVESTIGATION(POI):**

The period of investigation for the purpose of present investigation is 1st April, 2000 to 31st August, 2001 (17 months).

**11. SUBMISSION OF INFORMATION:**

The exporters in the subject countries and the importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Ministry of Commerce & Industry, Department of Commerce, Directorate General of Anti Dumping and Allied Duties (DGAD), Udyog Bhawan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

**12. TIME LIMIT:**

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than thirty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.

**13. INSPECTION OF PUBLIC FILE:**

In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

**14. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.**

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority